29 अगस्त, 2018

जापान की राजनीतिक घटनाएं: एलडीपी अध्यक्ष चुनाव और प्रधानमंत्री शिन्ज़ो आबे का भविष्य

*डॉ जोजिन वी. जॉन**

जापान की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व का चुनाव 20 सितंबर, 2018 को होने वाला है, क्योंकि पार्टी के अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री शिन्ज़ो आबे का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। आबे जापान के इतिहास में सबसे लंबे समय तक प्रधान मंत्री बनने के लिए एलडीपी अध्यक्ष के रूप में लगातार तीसरी बार चुने जाएंगे यदि वह निर्वाचित हो जाते हैं तो वह डाइट में पार्टी के बहुमत को देखते हुए 2021 तक सत्ता में रह सकते हैं ।

कुछ अपवादों को छोड़कर, अधिकांश एलडीपी अध्यक्ष प्रधानमंत्री बने हैं, क्योंकि यह युद्ध के बाद की जापानी राजनीति पर वर्चस्व वाली पार्टी थी। जापानी प्रधानमंत्री के कार्यकाल की कोई सीमा नहीं होती है। हालाँकि, एलडीपी नेतृत्व के कार्यकाल पर प्रतिबंध ने अपरिहार्य रूप से जापानी प्रधानमंत्री के लिए भी सीमा निर्धारित की है। हाल ही में जब तक एलडीपी अध्यक्ष का कार्यकाल दो तीन साल के लिए सीमित था। 2017 में, पार्टी ने अपने नियमों को संशोधित कर अध्यक्ष का कार्यकाल अधिकतम तीन साल के लगातार तीन कार्यकाल, कुल नौ साल[1] किया । संशोधित नियम के अनुसार प्रधानमंत्री आबे चौथी बार और लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ने में सक्षम बने । 2006 में पहली बार उन्हें एलडीपी का अध्यक्ष चुना गया था, दूसरी बार 2007 में उनके इस्तीफे के बाद पांच साल के अंतराल के बाद 2012 में चुना गया था। उन्हें 2015 में बिना प्रतियोगिता से चुना गया। वर्तमान कार्यकाल सितंबर 2018 में समाप्त हो रहा है।

आबे ने 26 अगस्त, 2018 को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। पार्टी के स्थानीय वोटों को जीतने के प्रयास में अब तक का उनका चुनाव अभियान मुख्य रूप से क्षेत्रीय प्रांतों पर केंद्रित है। प्रांतीय अभियान पर जोर हाल के वर्षों में एलडीपी अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया में एक और बदलाव को दर्शाता है। 2014 में एक संशोधन के माध्यम से, रैंक-और-फ़ाइल सदस्यों को पहले[ii] के मुकाबले अधिक शक्ति दी गई थी। अब एलडीपी पार्टी के सदस्य मत डाइट के सदस्यों के मतों के बराबर होते हैं। आगामी चुनाव में, चूंकि डाइट के दोनों सदनों में एलडीपी 405 सदस्य हैं, इसलिए मतों की समान संख्या पार्टी के स्थानीय खंडों को भी दी जाएगी। यदि पहले चरण में एक उम्मीदवार बहुमत प्राप्त नहीं कर सका, तो पहले चरण के दो प्रमुख उम्मीदवारों के बीच दूसरे चरण में टक्कर होगी । दूसरे चरण में, 405 डाइट सदस्य मतदान कर सकते हैं, लेकिन स्थानीय प्रतिनिधि के मत घटकर 47 रह जाएंगे, जो प्रत्येक क्षेत्राधिकार खंड के लिए है। पहले, दूसरा चरण केवल डाइट सदस्यों तक ही सीमित था।

आबे की मुख्य चुनौती पूर्व रक्षा मंत्री और एलडीपी के पूर्व महासचिव शिगेरु इशिबा हैं, जिन्होंने 9 अगस्त[iii] को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। इशिबा लंबे समय से आबे के प्रतिद्वंद्वी और आलोचक हैं और 2012 के अध्यक्ष चुनाव में आबे से हार गए थे। पूर्व विदेश मंत्री और एलडीपी की नीति अनुसंधान परिषद के वर्तमान अध्यक्ष फूमियो किशिदा, एलडीपी के नेतृत्व के एक संभावित दावेदार, ने कहा है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे और प्रधानमंत्री आबे की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे। " आंतरिक मामले और संचार मंत्री सेइको नोदा ने भी प्रतियोगिता में अपनी रुचि की घोषणा की है। हालांकि, वह 20 डाइट सदस्यों का भी समर्थन पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, जो नामांकन दाखिल करने के लिए एक अनिवार्यता है ।

एलडीपी नेतृत्व पर सार्वजनिक राय

आबे पिछले एक साल से काके गाकुएन और मोरिटोमो गाकुएन घोटालों को लेकर दबाव में हैं, जिसमें उन पर आरोप है कि उन्होंने सरकार के निर्णय में कथित पक्षपात किया है, जिसमें दो निजी स्कूल संचालक शामिल हैं जो व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी[v] से जुड़े हुए हैं। फरवरी 2018 से सार्वजनिक अनुमोदन रेटिंग घटने के बाद से आबे के सत्ता में रहने की संभावना कम लग रही थी, जब विपक्ष ने डाइट सत्र के दौरान कथित घोटालों में उनकी भागीदारी पर सवाल उठाया था। फरवरी में आबे प्रशासन की सार्वजनिक अनुमोदन रेटिंग 55 प्रतिशत से गिरकर मार्च में 33 प्रतिशत हो गई, जबकि अस्वीकृति रेटिंग फरवरी में 34 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल[vi] में 51 प्रतिशत हो गई। हालांकि, इन घोटालों में सीधे तौर पर प्रधानमंत्री के शामिल होने के सबूत देने में विपक्ष की असमर्थता ने आबे को राजनीतिक तूफान से बचा लिया । जून में आबे की स्वीकृति दर 42 फीसदी थी जबकि अस्वीकृत दर 42 फीसदी थी।[vii]

उच्च सार्वजनिक अनुमोदन रेटिंग के साथ, जब एलडीपी नेतृत्व पर एक सार्वजनिक सर्वेक्षण किया गया तो प्रधानमंत्री आबे जीत के लिए सबसे पसंदीदा बन गए थे। अगस्त में, 32 प्रतिशत ने आबे को चुना , जबकि इशिबा और नोदा ने 26 प्रतिशत और 6 प्रतिशत समर्थन प्राप्त किया ।[viii] पिछले महीनों में किए गए पोल पर अनुमोदन रेटिंग के मामले की तरह घोटालों का प्रभाव था । जनवरी[ix] में आबे के लिए 31 प्रतिशत समर्थन और इशिबा के लिए 20 प्रतिशत समर्थन की तुलना में अप्रैल में आबे के लिए 22 प्रतिशत समर्थन था जबकि इशिबा के लिए 27 प्रतिशत समर्थन था । अगस्त में, आबे के नेतृत्व को 59 प्रतिशत, इशिबा और नोदा 20 प्रतिशत और 5 प्रतिशत क्रमश: समर्थन मिला । अप्रैल में यह आंकड़ा क्रमश: आबे और इशिबा के लिए 46 फीसदी और 25 फीसदी क्रमश:[x] था ।

एक प्रमुख कारक जो आबे पर जापानी जनता के विश्वास में योगदान देता है, वह उनकी सरकार में स्थिरता लाने की क्षमता है। एक अन्य कारक विपक्षी दलों की अलोकप्रियता और उनकी आबे की आर्थिक और सामाजिक कल्याण नीतियों के विकल्प की कमी है। आबे के अधिकतर समर्थक उनके विदेशी ममलों से निपटने , विशेष रूप से उत्तर कोरियाई संकट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प[xi] के साथ जापान के संबंधों के प्रबंधन से निपटने की सराहना करते हैं ।

एलडीपी गुटों की भूमिका

1990 के दशक तक, जब 1955 में एलडीपी का जापानी राजनीति में निर्बाध वर्चस्व था, तब से ही पार्टी का गठन करने वाले गुटों के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा ने व्यापक जापानी राजनीतिक व्यवस्था के लोकतांत्रिक शून्य को भरने में योगदान दिया। पार्टी और सरकार के भीतर सत्ता के लिए गुटों ने एक-दूसरे को धोखा दिया। हालांकि गुट आज भी एलडीपी संगठन का एक अभिन्न पहलू हैं, लेकिन पिछले दो दशकों में चुनावी सुधारों के बाद उनका प्रभाव काफी कम हो गया है। पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइज़ुमी (2001-06) और शिन्ज़ो आबे (2012-) के करिश्माई नेतृत्व में सत्ता का केंद्रीकरण और गुटबाजी को खत्म करना एलडीपी की प्रमुख विशेषता रही है। प्रधान मंत्री के अधीन कार्यकारी शक्ति को समेकित कर और कैबिनेट में वफादारों की नियुक्ति करके, आबे ने सत्ता के गुटीय आवंटन की परंपरा को कम करने की भी कोशिश की। पार्टी और सरकार में सत्ता के केंद्रीकरण के माध्यम से, युद्ध के बाद के किसी भी अन्य प्रधानमंत्री[xii] की तुलना में आबे का पुलिस पर नियंत्रण सबसे अधिक रहा है।

आगामी अध्यक्ष चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री आबे का पार्टी के भीतर सत्ता का समेकन अब स्पष्ट दिखाई दे रहा है और उनके नेतृत्व में ज्यादातर गुट एकसाथ हैं। सात गुटों में से पांच ने उनका समर्थन किया है। आबे के समर्थकों में पूर्व मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोयुकी होसोदा की अगुवाई वाला होसोदा गुट शामिल है, जिसके 94 डाइट सदस्य हैं । आबे स्वयं होसोदा गुट के हैं। वित्त मंत्री तारो एसो के नेतृत्व में एलडीपी का दूसरा सबसे बड़ा गुट जिसमें 59 डाइट सदस्य हैं और एलडीपी के महासचिव तोशीहिरो निकाई के नेतृत्व वाले 44 सदस्यों के समूह ने भी आबे का समर्थन किया है। पूर्व विदेश मंत्री

फुमियो किशिदा के एलडीपी अध्यक्ष पद से हटने से आबे को किशिदा गुट का समर्थन मिल गया। किशिदा गुट के 48 डाइट सदस्य हैं। 9 अगस्त को, एलडीपी के पूर्व महासचिव नोबुटेरु इशिहारा के नेतृत्व में 12 डाइट सदस्यों वाले एक गुट ने भी आबे को अपना समर्थन देने की घोषणा की है ।[xiii]

एलडीपी की गुट की राजनीति के लंबे समय से आलोचक रहे इशिबा ने 2015 के अध्यक्ष चुनाव के बाद अपने गुट की स्थापना की, जब वह अपनी उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए 20 डाइट सदस्यों का समर्थन प्राप्त नहीं कर सके। इशिबा गुट में अब 20 डाइट सदस्य हैं, जिससे आगामी चुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी सुनिश्चित हुई है ।

तीसरे सबसे बड़े गुट हिसि केन्की काई की घटनाओं ने, जिसके 55 सदस्य हैं, हाल के महीनों में एलडीपी के भीतर पुरानी गुटीय राजनीति की वापसी के कुछ तत्व देखे । अपने नेता से हताश होने के बाद, फुकुशिरो नुकागा ने एलडीपी के भीतर सत्ता पाने के लिए गुट की संख्या का उपयोग करने में असमर्थता व्यक्त की, तो गुट के सदस्यों ने उन्हें फरवरी 2018 में पद छोड़ने के लिए कहा।[xiv] हालांकि, अपने नए नेता, एलडीपी महा परिषद के अध्यक्ष वतारु ताकेशिता के नेतृत्व में, गुट में यह समझौता नहीं हो सका कि किसे समर्थन दिया जाए और सदस्यों को व्यक्तिगत निर्णय लेने का फैसला किया गया । गुट के निम्न सदन के सदस्य काफी हद तक प्रधान मंत्री आबे के पक्ष में हैं, जबकि 21 उच्च सदन सदस्यों ने इशिबा को समर्थन देने का फैसला किया है।[xv] ताकेशिता गुट में विभाजन इशिबा को आबे को कांटे की टक्कर देने में मदद करेगा। पांच गुटों के समर्थन से, आबे को 405 एलडीपी डाइट सदस्यों के 70 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त होने की संभावना है। इसमें 73 में से 28 ऐसे सदस्य हैं जो किसी भी गुट से संबद्ध नहीं हैं।[xvi]

एलडीपी गुटों और अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के समर्थन का विवरण[xvi]

	गुट	**डाइट सदस्य (निम्न सदन और पार्षद सदन)**	**आबे**	**इशिबा**	**नोदा**	**अनिर्णित**
1.	सिवाकई- होसोदा गुट	94	94			
2.	इकोकाई- एसो गुट	59	59			
3.	हेईसेई केंक्युकाई- ताकेशिता गुट	55	9	21		25
4.	कोचि काई- किशिदा गुट	48	48			
5.	अतराशी नामी- निकाई गुट	44	44			
6.	किंमिराई हेईसेई केंक्युकाई- ईशिदाया गुट	12	12			
7.	सुगेत्सु-काई-इशिबा गुट	20		20		
8.	असंबद्ध	73	28	2	2	41
	कुल	405	294	43	2	66

आबे, जिसे एलडीपी डाइट सदस्यों का भारी समर्थन प्राप्त है; के खिलाफ जीतने के लिए,इशिबा को पार्टी के रैंक और फ़ाइल सदस्यों के 80 प्रतिशत से अधिक मत चाहिए। इशिबा, जिन्होंने क्षेत्रीय आर्थिक पुनरोद्धार के प्रभारी मंत्री के रूप में भी काम किया और ग्रामीण क्षेत्र में पार्टी के सदस्यों के बीच लोकप्रिय हुआ करते थे, उनके लिए यह कार्य महत्वाकांक्षी बना हुआ है। 2012 के अध्यक्ष चुनाव में इशिबा को पहले दौर में आबे की तुलना में पार्टी सदस्यों के दोगुना मत प्राप्त हुए, हालांकि, दूसरे दौर में वे हार गए थे । पार्टी के नेता के रूप में पिछले 6 वर्षों के दौरान अनंतिम स्तर पर आबे के बढ़े हुए समर्थन आधार के साथ स्थिति 2012 से बहुत अलग है।

संवैधानिक संशोधन बनाम आबेनॉमिक्स

सितंबर का चुनाव आबे और इशिबा के बीच दो-तरफा मुकाबला होने की संभावना है। भले ही इशिबा के चुनाव जीतने की संभावना कम है, लेकिन उनकी उम्मीदवारी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर बहस का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। अपने प्रचार में, इशिबा ने आबे की राजनीतिक शैली पर सवाल उठाए और "ईमानदारी और निष्पक्षता" के आधार पर प्रचार कर रहे हैं और "राजनीति में जनता का विश्वास" [xviii] हासिल करने का वादा कर रहे हैं । यह स्पष्टत: हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोपों से आबे की खराब छवि को भुनाने का एक प्रयास है। अपने एक प्रांतीय प्रचार के दौरान, इशिबा ने कहा कि चुनाव होना महत्वपूर्ण है, उन्होंने आगे कहा कि "वर्तमान स्थिति [xix] में कोई आपत्ति न होने की स्थिति में चुनाव का कोई फायदा नहीं है" । आबे को अपनी चुनौती में, इशिबा पर “आबेनॉमिक्स” के नकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो आबे सरकार द्वारा शुरू की गई "आर्थिक नीतियों" का मिश्रण है । उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करने की प्राथमिकता के लिए तर्क दिया कि आबेनॉमिक्स से नीतियों को शुरू करने से पर्याप्त लाभ नहीं हुआ है, "छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों और ग्रामीण क्षेत्रों का विकास प्रमुख कंपनियों और शहरी क्षेत्रों से पूरी तरह से अलग है।" [xx]

दूसरी ओर, आबे संवैधानिक संशोधन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं । हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, आबे ने संविधान संशोधन के लिए "चर्चाओं को गति देने" पर जोर दिया, यह कहकर कि वे “संविधान में आत्म-सुरक्षा बलों (एसडीएफ) देना सुनिश्चित करने के लिए दृण संकल्प हैं और उसके लिए मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी करूंगा।“ [xxi] “संवैधानिक संशोधन पर आबे का ध्यान उस स्थिति में सामरिक है जब इस मुद्दे ने एलडीपी में अपनी गति खो दी है। इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करके, आबे अपने प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले अपनी स्थिति में अंतर को उजागर करने की कोशिश कर रहे हैं । इशिबा जापानी संविधान के अनुच्छेद -9 में युद्ध-त्याग का संशोधन करने पर जोर दे रहे हैं । दूसरी ओर, आबे ने एक अनुच्छेद जोड़ने का प्रस्ताव दिया जो जापानी आत्मरक्षा बल को वैधानिकता प्रदान करेगा, जबकि संविधान के युद्ध-त्याग

वाले खंड को बनाए रखा जाएगा ।[xxii] आबे का प्रस्ताव अधिक यथार्थवादी माना जाता है और इसे जापानी जनता में शांति की धारा को हटाने के खिलाफ गहरी भावना होने के कारण एलडीपी विधायकों और सदस्यों का अधिक समर्थन मिलेगा । आबे "अधिक यथार्थवादी नेता" होने के अपने व्यक्तित्व के कारण अधिक समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

निष्कर्ष

अब से एक महीने के समय में किसी भी बड़े राजनीतिक झटके और 20 सितंबर को नेतृत्व चुनाव पर रोक लगाते हुए, प्रधान मंत्री शिन्ज़ो आबे एलडीपी अध्यक्ष बने रहेंगे और इतिहास में युद्ध के बाद सबसे लंबे समय तक पद संभालने वाले प्रधानमंत्री बनेंगे । एक आसान जीत से पार्टी और सरकार में आबे की सत्ता स्थिर हो जाएगी, जो भ्रष्टाचार के आरोपों के संदर्भ में एक साल के लिए कमजोर हो गई थी खराब छवि ने आबे को एक साल पहले एलडीपी में अपने प्रतिद्वंद्वियों को समायोजित करने के लिए मंत्रिमंडल में फेरबदल करने के लिए मजबूर किया था । आसान जीत से संभावना है कि मंत्रिमंडल में तत्काल फेरबदल होगा जहां आबे प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्यकारी शक्ति को केंद्रीयकृत करने के लिए अपने वफादारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।

इस अंतिम कार्यकाल की शुरुआत में प्रधानमंत्री आबे के कुछ एजेंडों उठाने की संभावना कम है जो व्यक्तिगत प्राथमिकता के हैं, लेकिन विवादास्पद हैं जैसे संवैधानिक संशोधन बजाए नियोजित घटनाओं और मौजूदा पहलों में निरंतरता के प्रबंधन पर ध्यान देंगे । अप्रैल 2019 में गर्मियों और यूनिफाइड प्रीफेक्चुरल एंड म्यूनिसिपल इलेक्शन के लिए हाउस ऑफ काउंसिलर्स के चुनाव से पहले किसी भी तरह के विवाद से बचना एक उच्च प्राथमिकता होगी। पार्षदों के चुनाव में खराब प्रदर्शन आबे पर दबाव बढ़ा सकता है। अप्रैल 2019 के लिए शाही परिवर्तन कार्यक्रम एक अन्य हाई प्रोफाइल कार्यक्रम है जिसका प्रबंधन आबे को करना है। 2019 के शाही परिवर्तन में वर्तमान जापानी सम्राट का राजत्याग शामिल है, जो पिछली दो शताब्दियों में ऐसा करने वाले पहले सम्राट हैं । यह उल्लेखनीय है कि, आबे ने अगस्त 2017 में राजनीतिक विकास के पूर्वानुमान में अक्टूबर 2019 के लिए अति विवादास्पद खपत कर कानून को स्थगित कर दिया।

नए आबे प्रशासन की अन्य प्राथमिकता विदेश नीति होगी। अनेक मुद्दों में से, उत्तर कोरिया के एजेंडे में उपर होगा। आबे किम जोंग-उन के साथ शिखर सम्मेलन के लिए पूरे प्रयास करेंगे ताकि अपहरण मुद्दे का हल खोजा जा सके। चीन के साथ संबंधों में सुधार जापान के लिए एक अन्य प्राथमिकता है। जापानी सरकार ने पहले ही चीनी पक्ष को सूचित कर दिया है कि एलडीपी अध्यक्ष चुनाव में पुन: निर्वाचित होने पर अक्टूबर 2018 में आबे की यात्रा की संभावना है । चीन के साथ अपने संबंधों के साथ-साथ, आबे प्रशासन चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के प्रयास में अपनी भारत-प्रशांत साझेदारी को बढ़ावा देने को भी प्राथमिकता देगा।

जापानी प्रधानमंत्री के रूप में आबे को अगले तीन साल के लिए चुने जाने की संभावना भारत के लिए स्वागत योग्य समाचार है। प्रधानमंत्री आबे के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं। सैन्य प्रतिबद्धता के एक नए स्तर की विशेषता सहित उनकी सक्रिय विदेश नीति और एक बड़ी अंतर्राष्ट्रीय भूमिका निभाने की इच्छाशक्ति भारत और जापान के बीच हितों के अधिक से अधिक संचालन के लिए प्रेरणाशक्ति है। टोक्यो के नए नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय सक्रियता के इस मौजूदा स्तर को जारी रखने की संभावना नहीं है, क्योंकि आबे के प्रतिद्वंद्वी शिगेरु इशिबा सहित अन्य नेताओं को उस तरह का समर्थन प्राप्त नहीं है, जो आबे को पार्टी और सरकार के भीतर प्राप्त है। आबे के समर्थन आधार को मजबूत रखने का एक प्रमुख कारक है उनकी सरकार में स्थिरता लाने की क्षमता है। भारत-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति के संतुलन को स्थानांतरित करने के संदर्भ में, एक "सामान्य" जापान, जो अपने संविधान द्वारा अधिक अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा जिम्मेदारियां लेने के लिए प्रतिबंधित नहीं है, इस क्षेत्र में अधिक स्थिरता लाएगा। प्रधानमंत्री के रूप में अपने अंतिम कार्यकाल में आबे के नेतृत्व में जापान के संविधान में संशोधन की बेहतर संभावना है।

****

* *डॉ जोजिन वी जॉन, शोधकर्ता, विश्व मामलों की भारतीय परिषद, नई दिल्ली*
डिस्क्लेमर: आलेख में व्यक्त किए गए विचार शोधकर्ता के हैं और परिषद के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं ।

समाप्ति टिप्पणी

[i] "रूल चेंज कुड सी आबे बिकम नेशंस लॉन्गेस्ट- सर्विंग लीडर ", द जापान टाइम्स , मार्च 5, 2017, https://www.japantimes.co.jp/news/2017/03/05/national/politics-diplomacy/rule-change-see-abe-become-japans-longest-serving-leader/#.W3ETougzaM8

[ii] "आबे लुक्स बियॉण्ड फैक्शंस, कोर्टिंग एलडीपीज रैंक एंड फाइल फॉर सपोर्ट एज प्रेजिडेंशियल इलेक्शन नीयर्स ", द जापान टाइम्स, मई 30, 2018, https://www.japantimes.co.jp/news/2018/05/30/national/politics-diplomacy/abe-looks-beyond-factions-courting-एलडीपीs-rank-file-support-presidential-election-nears/#.W3EcAugzaM8

[iii] "एक्स-मिनिस्टर इशिबा टू डिक्लेयर कैंडीडेसी इन एलडीपी लीडरशिप रेस ", द मैनिची, अगस्त 9, 2018, https://mainichi.jp/english/articles/20180809/p2g/oom/ofp/076000c

[iv] "किशिदा डिसाइड्स अगेंस्ट रनिंग इन एलडीपी इलेक्शन , विल सपोर्ट आबे", असाही शिमबुन, जुलाई 25, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201807250037.html

[v] इन घोटालों में से पहला 2017 की शुरुआत में सार्वजनिक हुआ था, जब यह सामने आया कि वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक भूमि का एक प्लॉट मोरिटोमो गाकुएन को बेच दिया था, जो एक राष्ट्रवादी विचारधारा वाले निजी स्कूलों का संचालन करता है, को बहुत कम कीमत पर दिया है। आबे और सरकार के इनकार करने के बावजूद, कई लोगों ने पक्षपातपूर्ण कार्य बताया क्योंकि कंपनी के मालिक के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी से व्यक्तिगत संबंध हैं । दूसरे घोटालों के आरोप में एक नया पशु चिकित्सा स्कूल खोलने के लिए, आबे के एक करीबी दोस्त द्वारा संचालित कंपनी केके गकुएन को लाइसेंस देना शामिल था। "शिन्ज़ो आबे, पर्स्यूड बाई स्कैंडल्स, द न्यू यॉर्क रिव्यू ऑफ बुक्स, अप्रैल 17, 2018, https://www.nybooks.com/daily/2018/04/17/shinzo-abe-pursued-by-scandal/

[vi]"ए लुक एट अप्रूवल एंड डिसअप्रूवल रेटिंग्स ऑफ जेपेनीज प्राइम मिनिस्टर शिन्ज़ो आबेज कैबिनेट ओवर टाइम ", सासाकावा, यूएसए, https://spfusa.org/category/japan-political-pulse/

[vii] पूर्वोक्त

[viii] "आबे मेंटेंस स्लाइट लीड ओवर इशिबा इन एलडीपी प्रेजिडेंशियल रेस ", असाही शि मबुन, अगस्त 7, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201808070031.html

[ix]"असाही पोल : इशिबा प्रिफर्ड ओवर आबे फॉर नेक्स्ट एलडीपी प्रेजिडेंट ", असाही शिमबुन , अप्रैल 16, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201804160037.html

[x] पूर्वोक्त

[xi]टोबियास हैरिस, "जून पोल वॉचर : डिस्पाइट फ्लक्चुएशंस, प्राइम मिनिस्टर आबे रिकवर्स इन द पोल्स ", एसपीएफ यूएसए, जून 29, 2018, https://spfusa.org/japan-political-pulse/june-poll-watcher-despite-fluctuations-prime-minister-abe-recovers-in-the-polls/

[xii]रॉब फाहे , "इज देयर अ फ्यूचर फॉर द एलडीपीज फैक्शंस ?", टोक्यो रिव्यू , फरवरी 13, 2018, www.tokyoreview.net/2018/02/future-एलडीपीs-factions/

[xiii]"इशिबा टू रन फॉर द एलडीपी प्रेजिडेंट डिस्पाइट नम्बर्स इ न आबेज फेवर", असाही शिमबुन, अगस्त 10, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201808100053.html

[xiv]"एलडीपी फैक्शन बॉस फुकुशीरो नुकागा प्रेशर्ड टू स्तेप डाउन अहेड ऑफ सेप्टेंबर पार्टी लीडरशिप रेस", द जापान टाइम्स, फरवरी 7, 2018, https://www.japantimes.co.jp/news/2018/02/07/national/politics-diplomacy/एलडीपी-faction-boss-fukushiro-nukaga-pressured-step-ahead-september-party-leadership race/#.W2_oPugzbIU

[xv]"इशिबा टू रन फॉर एलडीपी प्रेजिडेंट डिस्पाइट नम्बर्स इन आबेज फेवर ", असाही शिमबुन , अगस्त 10, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201808100053.html

[xvi]"70% ऑफ लॉमेकर्स बैक आबे फॉर एलडीपी प्रेजिडेंशियल इलेक्शन", द जापान न्यूज , अगस्त 6, 2018, the-japan-news.com/news/article/0004640264

[xvii] सपोर्ट फॉर डिफरेंट कैंडीडेट इज बेस्ड ऑन योम्यूरी शिमबुन सर्वे , "70% ऑफ लॉमेकर्स बैक आबे फॉर एलडीपी प्रेजिडेंशियल इलेक्शन", द जापान न्यूज, अगस्त 6, 2018, the-japan-news.com/news/article/0004640264

[xviii] " इशिबा टू रन फॉर एलडीपी प्रेजिडेंट डिस्पाइट नम्बर्स इन आबेज फेवर ", द असाही शिमबुन, अगस्त 10, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201808100053.html

[xix]"एक्स-डिफेंस चीफ इशिबा इंटेंड्स टू रन इन एलडीपी प्रेजिडेंशियल रेस", द मैनिची, जुलाई 26, 2018, https://mainichi.jp/english/articles/20180726/p2g/oom/ofp/0960000c

[xx]" इशिबा टू रन फॉर एलडीपी प्रेजिडेंट डिस्पाइट नम्बर्स इन आबेज फेवर ", द असाही शिमबुन, अगस्त 10, 2018, www.asahi.com/ajw/articles/AJ201808100053.html

[xxi]"आबे, इशिबा क्लैश ओवर प्रायोरिटी इशूज फॉर एलडीपी लीडरशिप रेस ", द मैनिची, जुलाई 24, 2014, https://mainichi.jp/english/articles/20180724/p2a/oom/ona/0090000c

[xxii]"एलडीपी'ज प्लान टू रिवाइस कंस्टीट्यूशन आर्टिकल 9 कुड रेज क्वेश्चंस अबाउट सेल्फ- डिफेंस", द मैनिची, मार्च 26, 2018, https://mainichi.jp/english/articles/20180326/p2a/oom/ona/0080000c